

---

durgAsUktam

दुर्गासूक्तम्

Document Information

---

Text title : durgAsUktam

File name : durga-suuktam.itx

Category : sUkta, devii, durgA, svara, devI

Location : doc\_devii

Transliterated by : P. P. Narayanaswami swami at math.mun.ca

Proofread by : P. P. Narayanaswami swami at math.mun.ca

Latest update : August 19, 2004, October 10, 2018

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

April 1, 2025

*sanskritdocuments.org*

---

दुर्गासूक्तम्



॥ अथ दुर्गा सूक्तम् ॥

ॐ जातवेदसे सुनवाम सोम मरातीयतो निदहाति वेदः ।  
स नः पर्षदति दुर्गाणि विश्वा नावेव सिन्धुं दुरिताऽत्यग्निः ॥ १॥

तामग्निवर्णां तपसा ज्वलन्तीं वैरोचनीं  
कर्मफलेषु जुष्टाम् । दुर्गां देवीं शरणमहं  
प्रपद्ये सुतरसि तरसे नमः ॥ २॥

अग्ने त्वं पारया नव्यो अस्मान्ध्रस्वस्तिभिरति दुर्गाणि विश्वा ।  
पूश्च पृथ्वी बहुला न उर्वी भवा तोकाय तनयाय शंयोः ॥ ३॥  
विश्वानि नो दुर्गहा जातवेदः सिन्धुन्न नावा दुरिताऽतिपर्षि ।  
अग्ने अत्रिवन्मनसा गृणानोऽस्माकं बोध्यविता तनूनाम् ॥ ४॥

पृतना जितं सहमानमुग्रमग्निं हुवेम परमात्सधस्थात् ।  
स नः पर्षदति दुर्गाणि विश्वा क्षामद्देवो अति दुरितात्यग्निः ॥ ५॥

प्रत्नोषि कमीड्यो अध्वरेषु सनाच्च होता नव्यश्च सत्सि ।  
स्वाश्चाग्ने तनुवं पिप्रयस्वास्मभ्यं च सौभगमायजस्व ॥ ६॥

गोभिर्जुष्टमयुजो निषिक्तन्तवेन्द्र विष्णोरनुसंचरेम ।  
नाकस्य पृष्टमभि संवसानो वैष्णवीं लोक इह मादयन्ताम् ॥ ७॥

ॐ कात्यायनाय विद्महे कन्यकुमारि धीमहि । तन्नो दुर्गिः प्रचोदयात् ॥

॥ इति दुर्गा सूक्तम् ॥

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ॥

तैत्तिरीयारण्यकम् ४, प्रपाठकः १०, अनुवाकः २

and with accents by Ganesan Iyer ganesan515151@yahoo.co.in

---



*durgAsUktam*

pdf was typeset on April 1, 2025



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

